दिनांक: 07.10.2023

फार्मास्यूटिकल अनुसंधान और ज्ञान के लिए आर्टिफीशियल इन्टेलिजेंस समाधान (एआई-स्पार्क 2023) पर 9 से 11 अक्टूबर, 2023 तक नाईपर, एसएएस नगर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं कार्यशाला

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) एस.ए.एस. नगर फार्मास्युटिकल अनुसंधान और ज्ञान के लिए आर्टिफीशियल इन्टेलिजेंस समाधान (एआई-स्पार्क 2023) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। यह सम्मेलन फार्मास्युटिकल विज्ञान में एआई नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के रसायन और उर्वरक मंत्रालय के औषध विभाग (डीओपी) की एक पहल है। सम्मेलन का उद्देश्य दवा की खोज और विकास में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अग्रणी शोधकर्ताओं, विशेषज्ञों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों को एक साथ लाना है। सम्मेलन में विविध ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियाँ, संवादात्मक कार्यशाला और आकर्षक चर्चाएँ होंगी, जो ज्ञान के आदान-प्रदान और नेटवर्किंग के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेंगी। यह सम्मलेन 9 से 11 अक्टूबर, 2023 तक नाईपर, एसएएस नगर में आयोजित किया जायेगा ।
एक प्रभावशाली लाइन-अप के साथ, एआई-स्पार्क 2023 में लगभग 23 आमंत्रित वक्ता शामिल होंगे, जिसमें भारत के बेहतरीन संस्थानों और उद्योग के शीर्ष स्तरीय अकादमिक योगदानकर्ताओं के साथ साथ अमेरिका और ब्रिटेन के सम्मानित अंतरराष्ट्रीय वक्ता शामिल होंगे। सम्मलेन के मुख्य वक्ता प्रो.समीर के ब्रह्मचारी, पूर्व महानिदेशक, सीएसआईआर हैं।

एआई-स्पार्क 2023 को पूरे देश से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और 300 से अधिक प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम के लिए पंजीकरण करवाया है । प्रतिभागियों के बीच विविधता न केवल भौगोलिक है बल्कि विज्ञान की सभी धाराओं से है जिसमें उद्योग पेशेवर, संकाय, अनुसंधान विद्वान और छात्र शामिल हैं। पोस्टर सत्र को बौद्धिक प्रोत्साहन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए रखा गया है, जिसमें आश्चर्यजनक रूप से 99 प्रस्तुतियाँ प्राप्त हुई हैं और यह शोधकर्ताओं को अपने अत्याधुनिक शोध प्रस्तुत करने की अनुमति देगा। नाईपर के मिशन के रूप में, पायथन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

सम्मेलन के नाम से पता चलता है कि एआई-स्पार्क 2023 शोधकर्ताओं के बीच अपने शोध में आर्टिफीशियल इन्टेलिजेंस को सहायक रूप में उपयोग करने के लिए एक उत्साह प्रज्वलित करने में मदद करेगा।

Date: 07.10.23

International Conference cum Workshop on Artificial Intelligence Solutions for Pharmaceutical Research and Knowledge (AI-SPARK 2023) at NIPER SAS Nagar from 9th to 11th October, 2023

National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER) S.A.S. Nagar is organizing **International Conference cum Workshop on Artificial Intelligence Solutions for Pharmaceutical Research and Knowledge** (AI-SPARK 2023). This conference is an initiative of the Department of Pharmaceuticals (DoP), Ministry of Chemicals and Fertilizers, Government of India to foster AI innovations in Pharmaceutical Sciences. The conference aims to bring together leading researchers, experts, and industry professionals in the field of Artificial Intelligence in drug discovery and development. The conference will feature diverse insightful presentations, interactive workshop, and engaging discussions, providing a unique platform for knowledge exchange and networking. The conference is scheduled to be held from **October 9-11, 2023**, at NIPER, S.A.S. Nagar, Punjab.

With an impressive line-up, AI-SPARK 2023 will feature around 23 invited speakers, showcasing a blend of top-tier academic contributors from India's finest institutions and industry, along with esteemed international minds from the USA and UK. Prof. Samir K Brahmachari, former DG, CSIR is the keynote speaker.

AI-SPARK 2023 received the overwhelming response across the country and more than 300 participants registered for the event. The diversity among the participants is not only geographical but from all streams of science which includes industry professional, faculties, research scholars and students. The Poster session is positioned to be a focus of intellectual stimulation that has received an astonishing 99 submissions and will allow researchers to present their cutting-edge research. As the part of NIPER's mission, hands on training on python will be provided.

As the name of the conference portrays, AI-SPARK 2023 will help to ignite a spark among the researchers to use AI as an additive in their research.